

13715

2598

२२३



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

68,69,71



मिल विवेद

प्राप्तकर्ता की जनशंखा - ₹ 6,06,829/-

संवाह सूच - ₹ 2,55,938/-

मिल विवेद गले जनशंख ₹ 60,700/-

- | | | | |
|----|-----------------|---|-----------------------|
| 1. | गृहि कर महा | - | कुर्सि |
| 2. | परमान | - | परमान |
| 3. | आम | - | आमसक |
| 4. | आर्थिक ना विवरण | - | बांध गलह भाला ११५ लवा |

प्राप्तकर्ता
प्राप्तकर्ता
प्राप्तकर्ता

जोधपुर

प्राप्तकर्ता
प्राप्तकर्ता

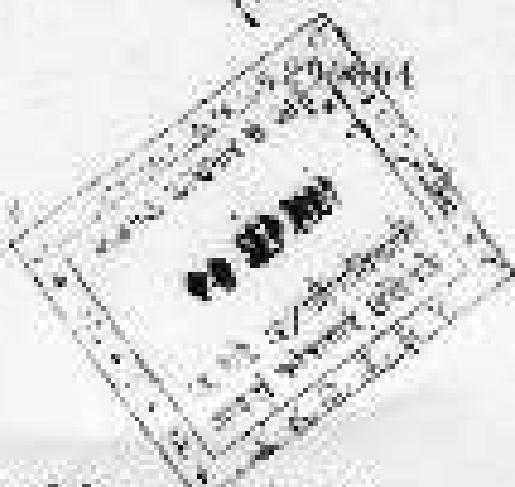
जोधपुर

मार्च 1970





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



0.003 कैम्पेन्स लेना 0.06
एवं 0.019 रु. बहार लेना
858 रुपया 0.005 रु. इन प्रकार
कुल बहार रुपया 0.117 रु. मिला
ग्राम- अलमनऊ, यावता, गोलीखी व
गिरा तालागढ़।

- 5. साधन की ईकाई -
- 6. समर्थित वा ईकाई -
- 7. सड़क की मिट्टि -
- 8. समर्थित वा घटाव -

बिल्डर
0.117 कैम्पेन्स
दुलतानगुर एवं उत्तराखण्ड - 3 रु.
हरभन्द 200 मेटर से अधिक
कुप्रि

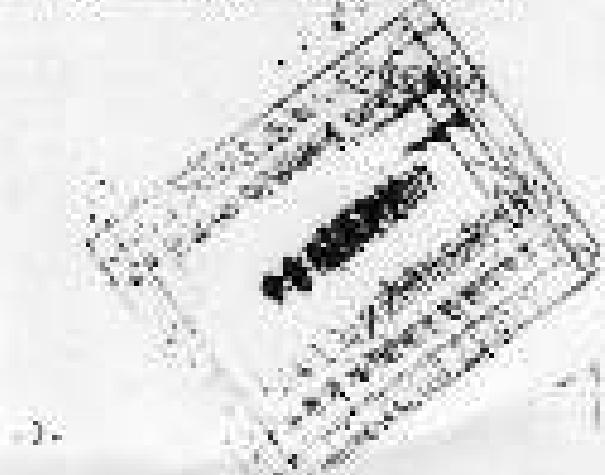
राम गोपेन्द्र
उत्तराखण्ड -
काशीकर्णपाता
दुलतानगुर
प्रौद्योगिकी
दिल्ली

प्रौद्योगिकी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



9. पैसा की मिली - नहीं
10. बोरिंग/ खुआ जन्म - सुम मी गली है

पौष्टि आवास नं० ५१५

| | |
|------|------------------|
| ठाला | : छाला मल्हा-४०७ |
| शहिर | : छाला मल्हा-४१७ |
| पुरा | : लालग मंडा-४१८ |
| नगरग | : लालग मंडा-४२० |

पौष्टि आवास नं० ५१६

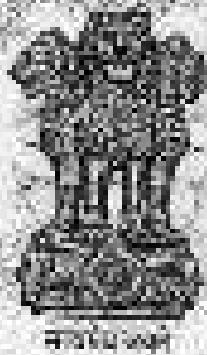
| | |
|------|------------------|
| ठाला | : लालग मल्हा-४१९ |
| शहिर | : लालग मल्हा-४१३ |

१०२-२२२-२२२
१०२-२२२-२२२
१०२-२२२-२२२
१०२-२२२-२२२
१०२-२२२-२२२
१०२-२२२-२२२



भारतीय गोर-न्यायिक
भारत INDIA

₹. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 447260

पुराल : असारा संख्या-808
कर्तिनगम : असारा संख्या-810

बौद्धिक संस्था नं. 818

उत्तर : असारा नंज्या 615
शहिन : असारा संख्या 829
पुराल : असारा संख्या-813
पारिवर्म : संस्था संख्या-819

ग्राम वधु नं. संख्या 6 : द्वितीय पल की ताज्जा- 1

सिक्कापाप का विवरण : केंद्र वा. विवरण

| | |
|--------------------------|--------------------------------|
| 1. एम. नरेश मुनि शमशुरार | : अंसल प्रापटील १५८ इलाहाबादकर |
|--------------------------|--------------------------------|

रामेश्वर
नरेश मुनि शमशुरार
कुण्डली गांव
लालूपाटा

असारा नंज्या 615 उत्तर प्रदेश 20100



भारतीय नौर न्यायिक

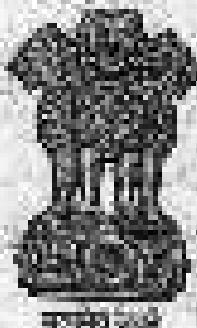
एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE

HUNDRED RUPEES



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



१. रामकिशोर २. बुगमिली
पुनर्गण पुस्तकालय ३. यात्रावाचु
५. गद्य ६. वैज्ञानिक पुस्तकालय
राम नारायण निवासीगण ग्राम
बहलालकुट, परवना लखनऊ
न लिखा जाइन्होंने ।

लिखा गया है कि जानकी 115, अनंत
पथ, 16, कल्याण नगरी नारा,
नई दिल्ली-110001, जलमान पता
शुल्क नहीं वह ०१२४५०८८०००
पिल्लौ, १३, राम प्रताप नगर,
लखनऊ द्वारा अधिकृत भलधारी
श्री अनिता प्रसाद लिखोरी पुनर्गण की
बेंगी प्रसाद छिक्केदारी कानून व ल्यायी
पता शुल्क नहीं वाईलॉक्सीफ्लॉ
पिल्लौ, १३, राम प्रताप नारा,
लखनऊ

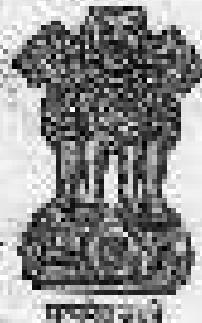
श्रीमद्भागवत
स्वरूप अनिता प्रसाद
शुल्क नहीं वाईलॉक्सीफ्लॉ
पिल्लौ



भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

₹. 100



Rs. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

2-547282

-6-

अवस्था कृषि

स्वतंत्रता- आनन्द, नीकरी

यह विकल्प विलोप 1. एम नरेश पुल उभड़तामे 2. एमसेषोर 3. बुगकिंशोर पुराण शुल्क 4. रामवत् 5. पद्म 6. शिख पुराण राम
नारायण निराशीण ग्राम अस्समक, चरणना लखील व निहु लखाङ्क
जिल्हे आगे विज्ञेन्द्राम नडा नदा ७. एमु अस्सल प्रापटीज एस्ट
इन्डियालॉन्चर लिंग रोडिंस्टड जालिस १५, अस्सल गवन, १०, कल्पुरा
गाँवी गाँव, गढ़ दिल्ली, १०००१, वर्तमान फत हूमाय तला नाहूप्रन्तीय०

एम. नरेश
एमसेषोर
बुगकिंशोर
पद्म
शिख
पुराण
रामवत्
राम
निराशीण
ग्राम
अस्समक
चरणना
लखील
निहु
लखाङ्क
जिल्हे
आगे
विज्ञेन्द्राम
नडा
नदा
७.
एमु
अस्सल
प्रापटीज
एस्ट
इन्डियालॉन्चर
लिंग
रोडिंस्टड
जालिस
१५,
अस्सल
गवन
१०,
कल्पुरा
गाँवी
गाँव
गढ़
दिल्ली
१०००१
वर्तमान
फत
हूमाय
तला
नाहूप्रन्तीय०



विलिंग, 13, राया प्राप्त गां, ताजनक हारा अधिकृत दस्तावेजी श्री शम्भुक शाहद विवेदी पुत्र श्री देवी प्रसाद द्वितीय वर्तमान व रक्षावी पता गुरुमुख तल वाईप्प००१०३० विलिंग, 13, राया प्राप्त गां, ताजनक विनं आगे केता कहा गया है के गल्य निष्पाकित किया गया ।

यह कि विकेतागण भूग बलास संख्या ८१५ रक्का ०.००० हेचटेअर, बलास संख्या ८१६ रक्का ०.०१९ है०, बलास संख्या ८१८ रक्का ०.००५ है०, इन प्रकार युत विक्री रक्का ०.११७ है० वित्र प्रभ-
जहनस्तु, परमन, तमील व वित्रा ताजनक या नालिक, नामिल व
नवकिंव है तथा उपरोक्त सालामेल वर्णवाचिक आता छहनी अम स०
००२३३ के अनुसार युगे विकेतागण के नाम संतवर्गीय घूमेश्वर के रूप में
दर्ज है और विनं वो उक्ता युगे विक्री वार्ताए का युगे श्रविश्वर ज्ञाता
है। विकेतागण अपना सम्पूर्ण लिमा केता नो इस विक्री विनं व्या-
विक्री कर रहा है विकेतागण उपरोक्त अन्नों भूगी है पालिक, अमिल व
वाकिंव है पूर्व वार्तान समन में उक्ता भूग लूधि भूमि है और उक्ता युगे
शरकत भूलि का लिमा नहीं है। उक्ता भूमि सोलिंग, पहुँचे जी भूमि नहीं
है। यह कि विकेतागण यह शोकित करता है कि उपरोक्त विनं युगे तापी
प्रकार के भागी से उक्त एव पाल व तक है तथा विकेतागण ने उसे व्या-
विक्री के पूर्व कही वद, विव, गिरवी या अनुबाधित इत्यादि नहीं किया है।
विकेतागण वे उक्ता भूमि पर लूधि जाए गा अन्य प्रकार या जैहू करने नहीं
लिया है। यदि कोई ऐसा ज्ञान श्रविश्वर में निकलता है तो उसके विवेदन-

प्राप्ति
१९८८ (२२८) २२८

श्रीकृष्णनगर वार्ता

प्राप्ति
२२८



विकेतागण व उसके बारिसान ने विशेष उत्तराधिकारी होंगे। उपरोक्ता भूमि पा उल्लेख करें भाग किसी नामात्पय पा कलज्ञानी कर्तव्यादि के अन्तर्गत विवाद या वस्तु विषय नहीं है, व यह कुछ हृत्यादि है। विकेतागण ने भवाद्या उल्ल भूमि मे विस्तृत अन्य व्यक्तियों वा भवाद्य, हक व दशा हृत्यादि गही है, एवं विकेतागण को ज्ञान विद्या अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्ता सम्पत्ति के कलज्ञानाद्य कुल विकुल दूष्य रुप 6,06,879/- के प्रतिफल मे विस्तृत उपरोक्त केता छारा विकेतागण की इस विलेख के अन्त मे दी गई अनुसूची मे वर्णित स्थिति के अनुसार भूमिकान कर दिया गया है एवं विस्तृत प्राप्ति वा विकेतागण वही स्थीकार करते हैं, विस्तृत उल्ल विकेतागण उल्ल केता ने इथ उपरोक्त वर्णित भूमि, विस्तृत विवरण इस विकुल विलेख के अन्त ने अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, जो वरद रेप दिया है, एवं विकेतागण ने विकुलभूमि गूंगा का भौके पा, वस्त्रा केता जो इत्युक्ति करा दिया रखा है। इथ उका आरक्षी पा, विकेतागण तथा उसके बारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विकेतागण ने विकुलभूमि सम्पत्ति के आने स्वानिव के गणान अधिवक्ता के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिये केता को इन्हन्हें विवरित कर दिया है। अब केता विकुलभूमि सम्पत्ति ग्रन्त उके इत्येक भाग यो शपते इहमान स्वामित्र व आधिकार व कही गे एवंलि गे रुप गे छारण एवं उपरोक्त व तत्काल ग्रन्तिगे। विकेतागण व उसके बारिसान उसमे विस्तृत इकार यो अहृतन वाया गही जात जेते एवं न ही जोई भाव वर स्फैये और यदि विकुलभूमि सम्पत्ति अथवा कोई भाग विकेतागण के स्वानिव ने जुड़ि के विवरण या कानूनी अहृतन या कानूनी जुड़ि के कारण केता या उसके बारिसान

श्रीमद्भागवत्

ज्ञानवाचकार्यालय

कृष्णामृतांशु

पृष्ठ

२३४८

८५५

ग्रन्ति विवरण विवरण विवरण

प्राप्ति

१०४

२

निष्पादकगण इलाहि के कर्त्ता या अधिकार या स्वत्र से निवाल लाये तो केवल उसके गारिलान, निष्पादकगण हृष्टारे यो यह एक होगा कि यह अपना स्वातंत्र्य गुप्तसामाज गम छोड़ द छवा, निष्ठेतागण को गत, अब तत्सम्बन्धि से अद्वितीय अवातरण बहुत चमत्कार है। उस स्थिति में विशेषा एवं उसके गारिलान इसी व आर्द्ध देने लेने के बाब्य होगा ।

यह कि निष्ठेतागण यह भी शोकित करता है कि उसके भूमि स्वामित्व किसाम प्राप्तिकाम, स्वामित्व के तथा दाम्पत्ति आवास एवं विकास प्राप्तिकाम, स्वामित्व के तथा अन्य फिरी भी साल्कारी उथवा ऐसे साल्कारी मन्त्र्य द्वारा आपेक्षित नहीं की गयी है और न ही प्रस्तावित है ।

यह कि ज्ञेता विकासमूह सम्बन्धि की शक्तिशालीता से उसके अधिकारी भी अपने नाम दर्ज द्वारा हो तो विशेषा को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विकासमूह के पूर्व या अंतर बोर्ड वकाया निर्दली तरह यह भार इस सम्प्रेक्षण पर होगा तो उसको विकासमूह गुप्तसामाज व अहंकारी, विशेषा को कोई आपत्ति न होगी ।

यह कि उत्तरोत्तर मध्यसामाजिक साधारण ग्रन्थ अंग्रेजीय अध्यात्मिक होते के अनिवार्यता ग्रन्थ के अन्तर्गत आता है इसके अन्तर्गत एवं ग्रन्थादित एवं ग्रन्थ रेट रुपा 17,50,000/- प्रति ब्लैडेजर है तथा भूमि का विकास कार्यालय के पैदा होने के द्वारा इसके 25 प्रतीकांश तृप्ति जरूरी रुपा 100 100 21,87,500/- के लियाव है विकास मूलि 0.117 ब्लैडेजर की गतिपन 100 2,55,938/- रुपी है तथा विकास ग्रन्थ, भूमि की वासास ग्रन्थ से व्यापक है इसलिए निष्पादकगुप्तसामाज विकास मूल्य पर दो रुपा 60,700/-

प्राप्ति
उत्तरोत्तर
ग्रन्थादित
विकास
ग्रन्थ

प्राप्ति
उत्तरोत्तर
ग्रन्थादित
विकास
ग्रन्थ



जनरल स्टाप्स अग्र दिला जा रहा है। यह कि उचित विशेष भूमि क्षेत्र के उपयोग के लिए उत्तर की जा रही है। भूमि गैर कोई ऐड इमारत या इनकी है तथा विस्तृत अंदर की आवासीय गतिशीलियाँ नहीं बल रही हैं व योई नहीं है। शुरुआत में नहीं है, ताकि 200 वर्ग मीटर के अवैलाल ने योई नियमित नहीं है विशेष भूमि दिला लिए थाएं, यानामार्ग व जनस्थान गति पर स्थित नहीं है। विशेष भूमि गुलामपुर रोड गैर व रमर शहर पथ से दूरी 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विशेष भूमि विवरण जाति अन्तर्गत अनुसूचित जननार्थी का सदृश्य नहीं है। इस विशेष विलेख के विवरण का अन्तर्गत यह दृष्टि दाता बहुत विश्वास दिया गया है और अवधिकरण उठने पर काम आवंटित है।

लिखाना यह विशेष यह विशेषाग्रम ने छेत्र के पश्च में लिख दिया गया समाज है और अवधिकरण उठने पर काम आवंटित है।

प्रोटोकॉल सुनान विवरण

- विशेषाग्रम वरे स्थ 2,02,293/- द्वारा एक संख्या 595548 दिनांकित 11.05.2007 पंजाब नैशनल बैंक, हरयलागढ़ लखनऊ केन्द्र से प्राप्त हुए।
- विशेषाग्रम को ₹ 1,01,145/- द्वारा एक संख्या- 595549 दिनांकित 11.05.2007 पंजाब नैशनल बैंक, हरयलागढ़ लखनऊ केन्द्र से प्राप्त हुए।
- विशेषाग्रम को ₹ 1,01,147/- द्वारा एक संख्या- 595550 दिनांकित 11.05.2007 द्वारा नैशनल बैंक, हरयलागढ़ लखनऊ केन्द्र से प्राप्त हुए।
- विशेषाग्रम को ₹ 67,431/- द्वारा एक संख्या- 595551 दिनांकित 11.05.2007 पंजाब नैशनल बैंक, हरयलागढ़ लखनऊ केन्द्र से प्राप्त हुए।

१०५
२००५-२००६
संघीय संघर्ष

१०५
२००५-२००६



5. शिक्षकालय की रु 67,431/- द्वारा नेत्र संख्या- 595552
विनाशित 11.09.2007 प्रताव नैशनल बैंक, हमरहाउस लकड़ा
केता से प्राप्त हुए।
6. किंद्रोगाम की रु 67,931/- द्वारा नेत्र संख्या- 595553
विनाशित 11.09.2007 प्रताव नैशनल बैंक, हमरहाउस लकड़ा
केता से प्राप्त हुए।

इस प्रताव विवेता की कुल विकल्प गुण (रु) 6,06,872/- (लगभग)
उ. लाघ ई. इनार आठ से छ्वासी माझे। केता से प्राप्त हुए विलक्षण
प्राप्ति विवेता स्वीकार करते हैं तथा एवं अमें गवाहित विवेता को केतो से
तेवा शेष नहीं है।

रामनंदी

प्रताव

कुलांकित

प्रता

प्रता

विवेता

लकड़ा

विनाशित - 30.08.2007

गवाह केता की पहचान द्वा-

1. चांकुल बाजुरा

2/० हट्टि हांकुल बाजुरा

रु. 6,06,872/- - ५१२३८७२

2. विवेता की पहचान द्वा-

(विवेता) विवेता की पहचान

विवेता की पहचान

केता

दर्शकाल
(केता)

(मोनू चूगार)

सिविल कोर्ट, नाघनका।

प्रताविशेषज्ञ

(विवेक चूमार दिंद)

एक्सपोनेंट

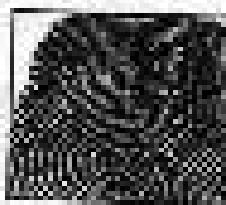
मुद्रा राशि: ३८५३९६.००

प्रकाशन संस्था
वृ. विजय कॉम्पोनेंट
प्र. का. ले. एस. इन। रोड नं. १०५ (पुराणी)
गो. गुरु
मिस्ट्री विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
गो. गुरु
प्राचीन विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
गो. गुरु

दिनांक:

१०.०३.३० ५३ १०४८०० १०००

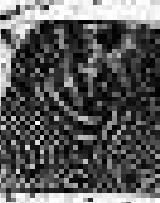
वृ. विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी



विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी (विजय)
गो. गुरु
१०३५२०००

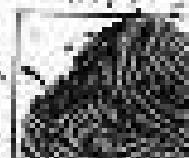
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी

विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी



विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी

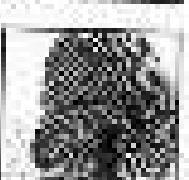
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी



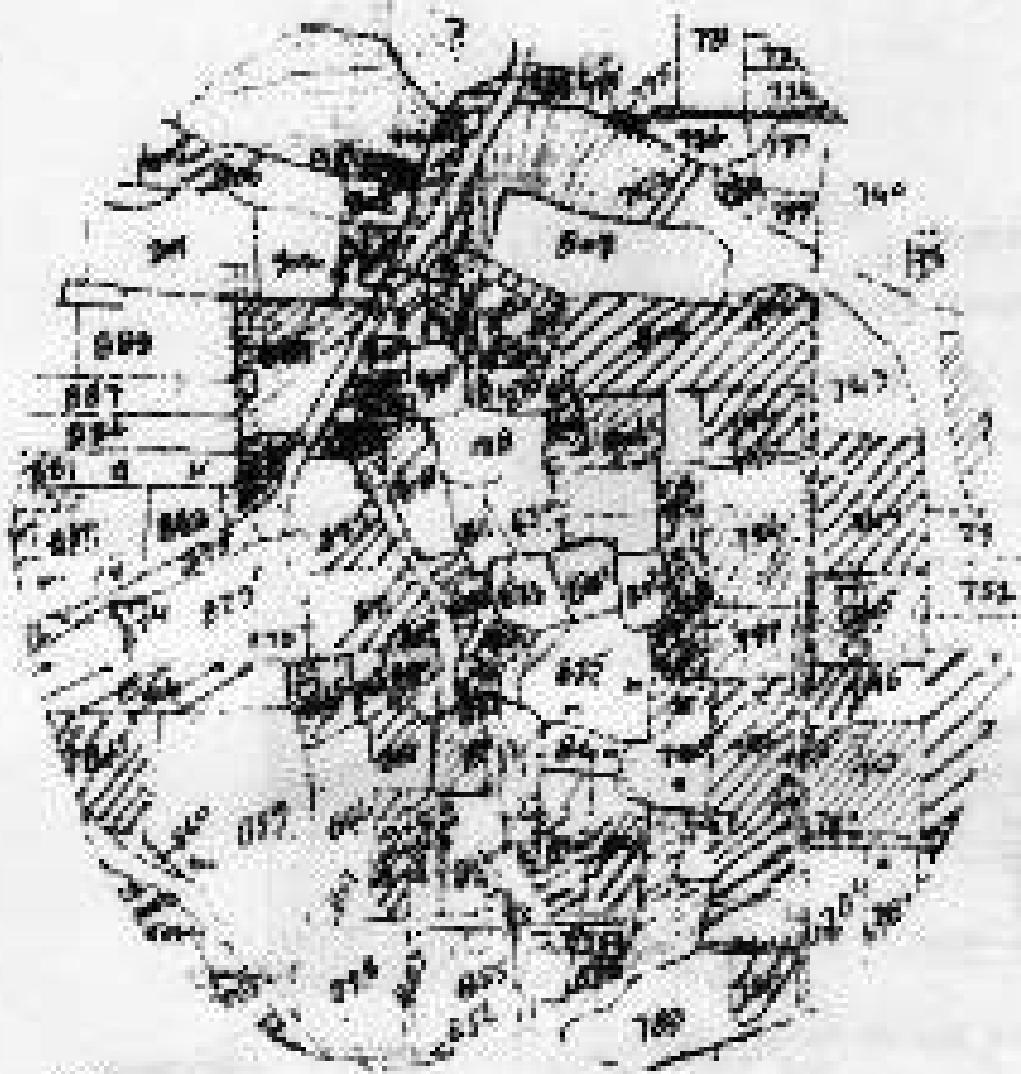
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी



विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी
विजय कॉम्पानी विजय कॉम्पानी



काम का नाम - फूलमस्तु अरडोना गजलगांड लखपती व
जनकाथ नं. ४१५, ४१६, ४१७
कृष्ण - ०. ४४८८८



राजस्थान

लिंगायत

श्रीराम

देवदास

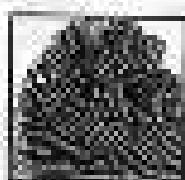
तीर्थ

पुराण

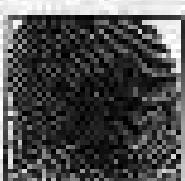
विकास विजयनगर

ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਰ੍਷ਿ
ਗੁਰੂਨਾਨੀ ਦੀ ਰਸ ਸਾਹਮਣ
ਪੰਜਾਬੀ
ਮਿਸ਼ਨੀ ਰਸ ਅਤੇ ਮਿਸ਼ਨ ਵਿਖਾ ਸਾਹਮਣ

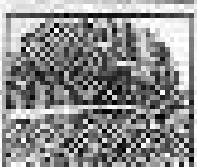
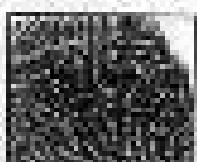
—



ਪੰਜਾਬੀ ਸੀਰੀਜ਼
ਗੁਰੂਨਾਨੀ ਦੀ ਰਸ ਸਾਹਮਣ
ਪੰਜਾਬੀ
ਮਿਸ਼ਨੀ ਰਸ ਅਤੇ ਮਿਸ਼ਨ ਵਿਖਾ ਸਾਹਮਣ



ੴ ਸਿਖਾਰਾਵ ਮੈਸਟਰ ਸਿੰਘ
ਮਿਸ਼ਨੀ ਕਾਰਾਰ ਨੂੰ ਪੱਤੇ ਸਾਡੇ ਚੜ੍ਹੇ ਬੋਲ੍ਹੇ
ਦੂਜੇ ਦੀ ਛੀਤੀ ਸਾਡੇ
ਕਾਨ ਪੈਕਟੀ
ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਡੇ ਸਾਡੇ
ਕ ਕ ਮਿਸ਼ਨੀ
ਕ ਕ ਰਸ ਨਾਹੀ
ਪੰਜਾਬੀ
ਮਿਸ਼ਨੀ ਸਾਡੇ ਸਾਡੇ
ਕ ਕ ਹੈ।
ਸਾਡੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ



ਪੰਜਾਬੀ
ਏਸਾਈਸ. ਪਾਰਿ
ਲਾਈ ਮਿਸ਼ਨ (ਫਿਰੀਂ)
ਲਲਿਨਾਲ
1292977

ਪੰਜਾਬੀ

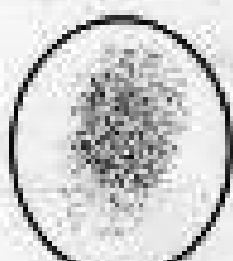
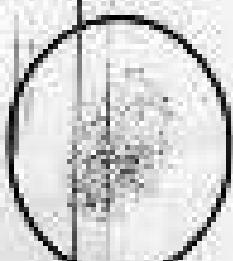
रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन

लेतु फिंगर प्रिन्ट्स

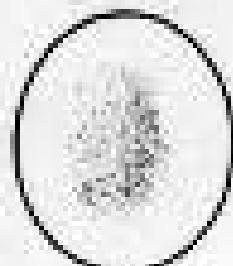
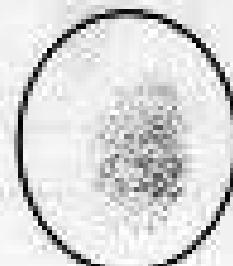
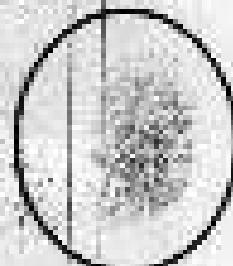
प्रस्तुतकारा / विकेता का नाम व पता :-

दृष्टि देखा

वापर हाथ के अनुशिष्ठों के बिन्दु :-



शहिने हाथ के अनुशिष्ठों के बिन्दु :-



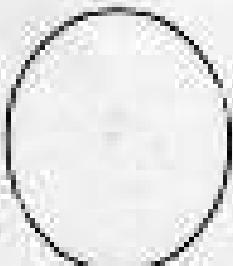
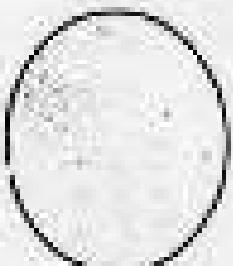
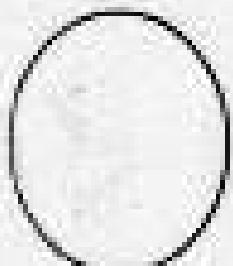
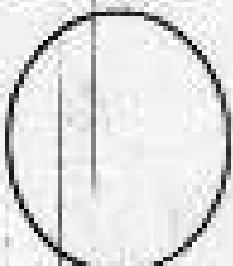
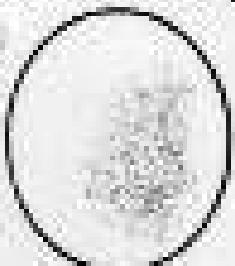
दृष्टि देखा

प्रस्तुतकारा / विकेता / वेता के दसाका

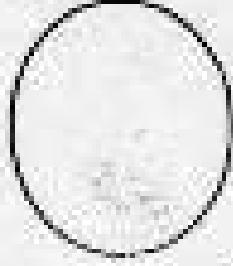
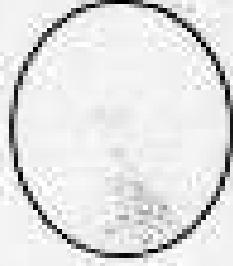
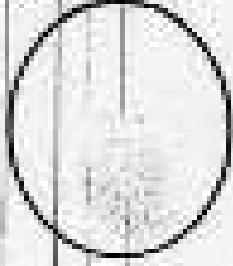
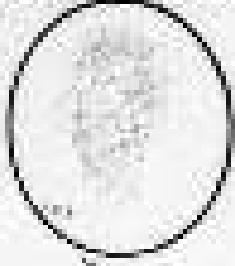
विकेता / वेता का नाम व पता :-

दृष्टि देखा

वापर हाथ के अनुशिष्ठों के बिन्दु :-



शहिने हाथ के अनुशिष्ठों के बिन्दु :-



दृष्टि देखा

विकेता / वेता के दसाका

संग्रहीत

Registration No. १२३४५

Year: २०७८

Book No.

०१०५ अद्य

परम विजय

कामना लेखन संस्कारण

पुस्ति

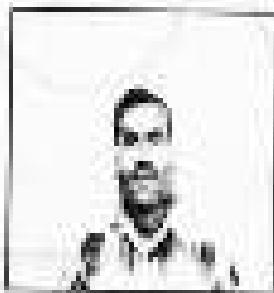


०१०६ वृत्ति

परम विजय

कामना लेखन संस्कारण

पुस्ति



राजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए के अनुपालन
हेतु फिंगरसं प्रिन्टस्

प्रस्तुतकर्ता/विकेत का नाम व पता :-

दर्शन नरेंद्र

वाये हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दाखिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दर्शन नरेंद्र

विकेता/क्रेता का नाम व पता :-

प्रस्तुतकर्ता/विकेता/क्रेता ने हस्ताक्षर

दर्शन नरेंद्र

वाये हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दाखिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दर्शन नरेंद्र

विकेता/क्रेता के हस्ताक्षर

Patent

Registration No. 12298

Year 2007

Book No. 1

D101 श्री विजय

मातृ दुलाल

कर्म संविधान विभाग

पुस्ति



D102 डॉ रमेश

पुस्ति

कर्म संविधान विभाग

पुस्ति



D103 श्री विजय

पुस्ति

कर्म संविधान विभाग

पुस्ति



D104 कर्म संविधान

पुस्ति

कर्म संविधान विभाग

पुस्ति

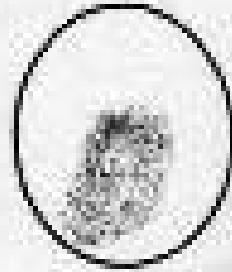
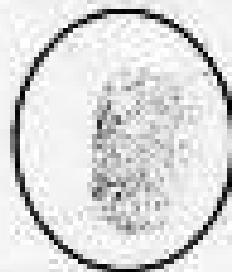
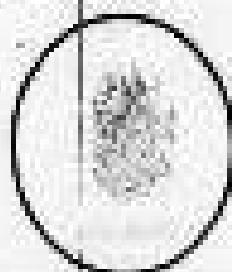
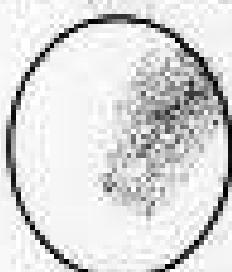


हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

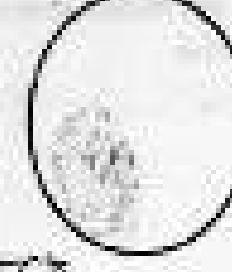
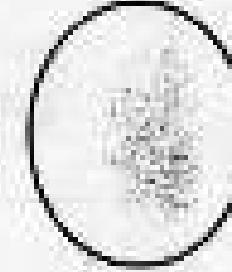
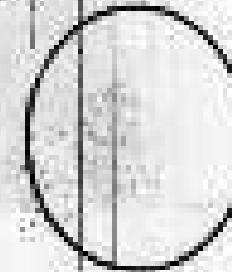
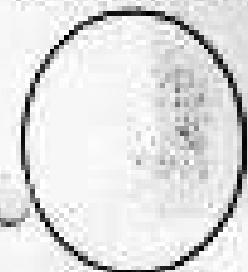
प्रत्युषकर्ता/विकला का नाम व पता :-

परम्परा

बाये हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



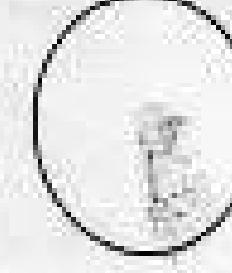
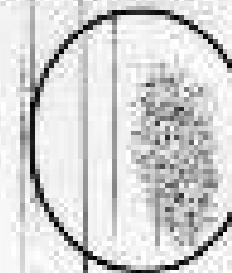
परम्परा

प्रत्युषकर्ता/विकला/मेला के उसाहर

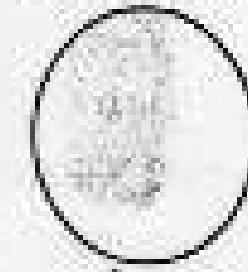
मिकेला/शैला का नाम व पता :-

दीपदा

बाये हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दीपदा

मिकेला/शैला के उसाहर

३८१

Registration No. ५३४६

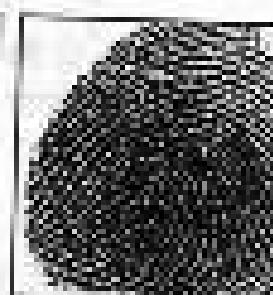
Date २०१२

Book No.

६२०१ श्रीमद्भागवतपरिचय

श्री विजयनाथ राज लेखिका एवं प्रकाशक १९९३

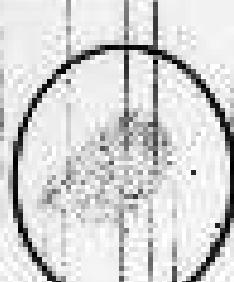
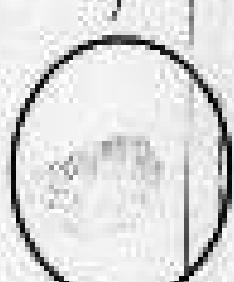
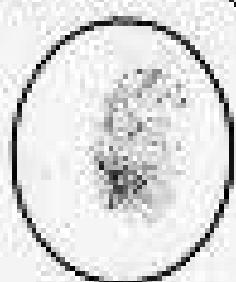
सुनील अव एवं विजयनाथ राजवासुदेव एवं विजयनाथ
राज



इतु फैगस प्रन्तसु

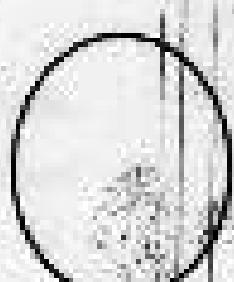
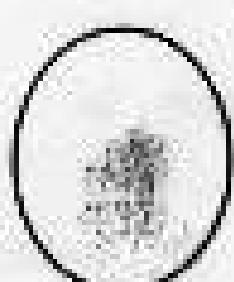
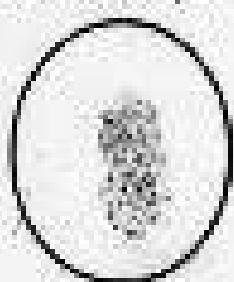
प्रस्तुताना/पिंडा का नाम व पता :- अंकुरपुराणी लकड़ी बाजार उत्तराखण्ड

बाये हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



लाठी द्वारा चिह्न

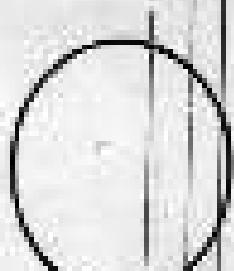
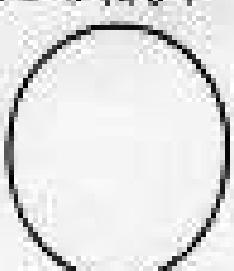
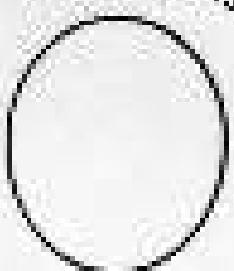
दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



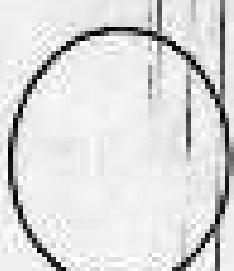
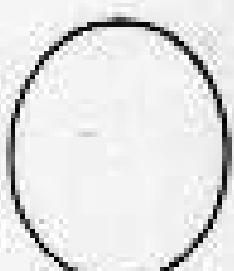
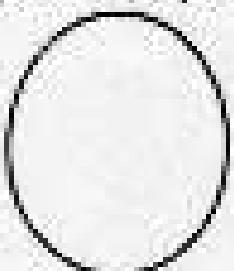
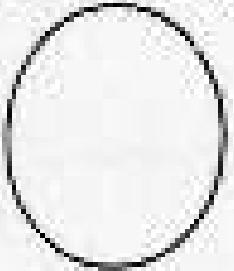
मालूमताना/जिकेना द्वारा चिह्न

प्रस्तुताना/पिंडा का नाम व पता :-

बाये हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :-



पिंडा/जिका के इस्तमाल

अंत दिनांक 12/09/2007 का

उमेर व
वर्षों में 1 वर्षों में 6912

पृष्ठ सं.
1 से 32 तक दस्तावेज 8598

नोटस्ट्रीफल लिया गया।

एस. एस. बाल

उप निवाचक (हिरीन)

लखनऊ

15/09/2007